

पाठ -1 हरिहर काका



लेखक – श्री मिथिलेश्वर



प्रस्तुत कहानी लेखक [कथावाचक] के गाँव की कहानी है ।
इस कहानी के प्रमुख पात्र हरिहर काका है । लेखक ने इस
कहानी के माध्यम से धर्म के नाम पर होने वाले अपराध,
मनुष्यों में पनप रहे स्वार्थ और उनके लालची स्वभाव को
उजागर किया है ।

लेखक हरिहर काका का बहुत सम्मान करते हैं । हरिहर काका उनके पड़ोसी हैं । एक पिता अपने बच्चे से जितना प्यार करता है, उससे कहीं ज़्यादा प्यार हरिहर काका लेखक से करते थे । लेखक की पहली दोस्ती हरिहर काका से ही हुई । काका लेखक से कोई भी बात नहीं छिपाते थे । खूब बातें करते थे । लेकिन कुछ दिनों से काका ने लेखक से भी बात करना बंद कर दिया । वे परेशान, उदास और दुखी थे ।

हरिहर काका की इस स्थिति का कारण जानने के लिए उनके गाँव का परिचय देना आवश्यक है ।



गाँव की कुल आबादी ढाई -तीन हज़ार होगी । गाँव में तीन प्रमुख स्थान हैं -

गाँव के पश्चिम किनारे बड़ा सा तालाब, मध्य स्थित बरगद का पेड़, पूरब में ठाकुर जी का विशाल मंदिर, जिसे गाँव के लोग ठाकुरबारी कहते हैं ।



ठाकुरबारी की स्थापना के संबंध में कहानी प्रचलित है कि कहीं से एक संत आकर इस स्थान पर झोपड़ी बनाकर रहने लगे। वे सुबह – शाम यहाँ ठाकुर जी की पूजा करते थे, लोगों से माँगकर खा लेते थे। बाद में लोगों ने चंदा करके यहाँ छोटा सा मंदिर बनवा दिया। जैसे – जैसे आबादी बढ़ती गई लोगों की श्रद्धा भी बढ़ती गई। किसी के यहाँ बेटा हो, शादी हो, नौकरी मिले, कोई भी शुभ काम हो लोग ठाकुरजी पर रुपये, जेवर, अनाज चढ़ाते। अच्छी फसल होने पर खेत का छोटा सा टुकड़ा ठाकुर जी के नाम लिख देते। इस तरह ठाकुर बारी के नाम २० बीघा खेत हो गए।



 **LIVEWORKSHEETS**

लोगों के इसी विश्वास के परिणाम स्वरूप अब यह गाँव की सबसे बड़ी ठाकुरबारी है। इसके नाम पर बीस बीघे खेत है। धार्मिक लोगों की एक समिति है, इसकी देख - रेख और संचालन के लिए प्रत्येक तीन साल पर एक महंत और एक पुजारी की नियुक्ति की जाती है।



हरिहर काका का संयुक्त परिवार है। हरिहर काका चार भाई थे। सबकी शादी हो चुकी थी, बाल- बच्चे थे। काका की अपनी कोई संतान नहीं थी। औलाद के लिए उन्होंने दो शादियाँ की। लेकिन उनकी दोनों पत्नियाँ स्वर्ग सिधार गईं। काका अपने परिवार के साथ रहते हैं। काका के परिवार के पास कुल 60 बीघे खेत थे। प्रत्येक भाई के हिस्से 15 बीघे पड़ें। ये लोग खेती का काम करते थे।



समझ की परख

१. पाठ के लेखक का नाम ---

क. श्री मिथिलेश्वर ख. प्रहल्लाद अग्रवाल ग. सीताराम सेकसरिया

२. हरिहर काका किस विधा में लिखा गया है ?

क. व्यंग्य शैली ख. नाटक विधा ग. कहानी विधा

३. हरिहर काका लेखक को अपनी सब बातें क्यों बताते थे ?

क. दोनों एक घर में रहते थे ख. उनमें पिता-पुत्र जैसे संबंध थे
ग. लेखक ने उन्हें कहा था ।

४. गाँव की आबादी कितनी थी ?

क. तीन हज़ार ख. ढाई-तीन हज़ार ग. पाँच हज़ार

५. गाँव में तीन प्रमुख स्थान हैं -

क. मंदिर , गाँव , खेत

ख. तालाब, मध्य स्थित बरगद का पेड़, पूरब में ठाकुर जी का विशाल मंदिर

ग. घर , पेड़ , मंदिर